भाश्रीअनुसं
क्रम सं. 243 जनवरी, 2024
श्री अन्न
समाचार पत्र
IIMR
भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान
ICAR-Indian Institute of Millets Research
हैदराबाद * सोलापुर * वरंगल * बाड़मेर
आइए, राष्ट्रगान गाते हैं
भाकृअनुप—भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, राजेन्द्रनगर, हैदराबाद - 500 030, तेलंगाना, भारत

नववर्ष 2024 स्वागत समारोह

कर्मचारी मनोरंजन क्लब (एसआरसी), भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने 1 जनवरी 2024 को नववर्ष 2024 समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम में एसआरसी के सभी सदस्यों (वैज्ञानिक, तकनीकी, प्रशासनिक और सहायक कर्मचारी) तथा संविदात्मक कर्मचारियों ने भाग लिया। डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती, अध्यक्ष, एसआरसी एवं निदेशक, भाश्रीअनुसं ने कर्मचारियों को संबोधित किया और संस्थान में अनुसंधान और विकासात्मक, दोनों गतिविधियों हेतु नए साल 2024 के लिए लक्ष्य निर्धारित किए। एसआरसी के कुछ स्टाफ सदस्यों ने भी 2023 के दौरान संस्थान की उपलब्धियों और भविष्य में संस्थान के गौरव को बनाए रखने में अपनी भूमिका व जिम्मेदारियों पर चर्चा की। डॉ. बी अमसिद्ध, सदस्य सचिव, एसआरसी, श्री विलास आघव प्रक्षेत्र अधीक्षक, श्री जे भगवंतम, संयुक्त सचिव, एसआरसी और एसआरसी के अन्य सदस्यों के द्वारा कार्यक्रम का समन्वय किया गया।

श्री अन्न व संबद्ध खेती पर प्रशिक्षण

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में भाकृअनुप-किसान प्रथम परियोजना (किप्रप) के अंतर्गत 25-26 जनवरी 2024 के दौरान किसानों के लिए " श्री अन्न व संबद्ध खेती" नामक दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में तेलंगाना के संगारेड्डी जिले के चलकी, रुक्मापुर, मुंगी और मुर्थुजापुर गांवों से कुल 55 किसानों ने भाग लिया

डॉ. राजेंद्र आर चापके, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रधान अन्वेषक, किप्रप ने उद्घाटन के दौरान, प्रशिक्षार्थियों को कार्यक्रम के उद्देश्य एवं महत्व के बारे में जानकारी दी। प्रारंभ में, डॉ. केबीआरएस विसारदा, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी निदेशक, भाश्रीअनुसं ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और किसानों को श्री अन्न की खेती से आगे बढ़ने और श्री अन्न प्रसंस्करण, विपणन और मूल्य-संवर्धन पर भी ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया। डॉ. स्वर्णा रोणंकि, वैज्ञानिक और सह-प्रधान अन्वेषक, किप्रप (कृषि विज्ञान) द्वारा नवीनतम श्री अन्न उत्पादन और प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों पर एक सिंहावलोकन दिया गया। भाश्रीअनुसं के वैज्ञानिक - डॉ. अरुणा, प्रधान वैज्ञानिक (पादप प्रजनन), डॉ. के एन गणपति , प्रधान वैज्ञानिक (पादप प्रजनन), डॉ. एन अनुराधा, वैज्ञानिक और सह-प्रधान अन्वेषक, किप्रप (कृषि अर्थशास्त्र) और डॉ. ए श्रीनिवास, वैज्ञानिक और सह-प्रधान अन्वेषक, किप्रप (कृषि विस्तार) ने भी किसानों के साथ एक संवाद सत्र में भाग लिया और प्रशिक्षार्थियों की शंकाओं का समाधान किया। किसानों ने बेहतर उत्पादन और प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शन के लिए भाश्रीअनुसं में उत्कृष्टता केंद्र, न्यूट्रीहब, प्रसंस्करण सुविधाओं और प्रदर्शन प्रक्षेत्र का दौरा भी किया। कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, उन्होंने एकीकृत कृषि प्रणाली (आईएफएस) और प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों पर नवीनतम जानकारी प्राप्त करने के लिए एआईसीआरपी-आईएफएस, पीजेटीएसएयू तथा ग्रामीण मुर्गीपालन के बारे में विस्तार से समझने और इसकी बेहतर प्रबंधन प्रथाओं के लिए भाकृअनुप- कुक्कट अनुसंधान निदेशालय का

भी दौरा किया। प्रतिभागियों ने श्री अन्न के महत्व व उनके पोषण संबंधी लाभों, विशेष रूप से मूल्यवर्धित उत्पादों के साथ-साथ उनके कृषि उत्पादों के विपणन संबंधी जानकारी में ज्यादा रुचि दर्शायी। सामान्यतः, किसान अपनी आय को बढ़ाने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों का उपयोग करने के इच्छुक थे। सभी सत्रों को किप्रप परियोजना स्टाफ - सुश्री स्पंदिता, एसआरएफ, सुश्री सौजन्या और श्री भगत, एफए की सहायता प्रदान की गई। इस कार्यक्रम का संचालन परियोजना के प्रधान अन्वेषक, डॉ. आर आर चापके, प्रधान वैज्ञानिक के द्वारा किया गया।

"श्री अन्न भारत-अफ्रीका विनिमय वेबिनार" पर अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के द्वारा 8-11 जनवरी, 2024 के दौरान "अफ्रीका में जलवायु-लचीली फसल के रूप में श्री अन्न की खेती, उपयोग और प्रसंस्करण का विस्तार करने और कृषि जैव विविधता, संतुलित पोषण, श्री अन्न मूल्य शृंखला, मूल्य संवर्धन और उद्यमिता को मजबूत करने हेतु अनुभव साझा करने तथा क्षमता निर्माण हेतु अंतर्राष्ट्रीय (भारत-अफ्रीका) कार्यक्रम" पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र में, इंडो-जर्मन बीज क्षेत्र सहयोग परियोजना के राष्ट्रीय समन्वयक डॉ. राघवेंद्र कवली ने सहभागियों का स्वागत किया। भाश्रीअनुसं की निदेशक डॉ. सी तारा सत्यवती ने उद्घाटन भाषण दिया। श्री एक्केहार्ड श्रोएडर, जर्मन परियोजना दल प्रमुख, इंडो-जर्मन कोऑपरेशन ऑन सीड सेक्टर डेवलपमेंट, जर्मनी के द्वारा कार्यक्रम की परिचयात्मक टिप्पणी और उद्देश्य प्रस्तुत किया गया। भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के पूर्व निदेशक डॉ. विलास ए टोणपि भी इस अवसर पर उपस्थित थे। डॉ. वी एम मलाती ने धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रतिभागियों में विभिन्न अफ्रीकी देशों के शोधकर्ता और नीति निर्माता शामिल थे।

भाश्रीअनुसं की ओर से डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के मार्गदर्शन में, डॉ. सूगण्ण और डॉ. बी वेंकटेश भट, समन्वयक तथा डॉ. संगप्पा, डॉ. श्रीविद्या एस और डॉ. मलाती वी एम, सह-समन्वयक ने प्रशिक्षण का समन्वय किया। एडीटी प्रॉजेक्ट कन्स्लटिंग की ओर से श्री एक्केहार्ड श्रोएडर और डॉ. राघवेंद्र कवली समन्वयक थे।

75वां गणतंत्र दिवस समारोह

भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान में राष्ट्रभक्ति, उत्साह व उमंग के साथ 26 जनवरी, 2024 को देश का 75वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। भाश्रीअनुसं की निदेशक डॉ. सी तारा सत्यवती ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर कर्मचारियों को संबोधित किया। इस अवसर पर निदेशक ने अंतर्राष्ट्रीय श्री अन्न वर्ष-2023 महोत्सव की सफलता हेतु भाश्रीअनुसं के सभी कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों का उल्लेख किया। निदेशक ने देश में खाद्य एवं पोषण सुरक्षा की चुनौतियों से निपटने के लिए समर्पण की आवश्यकता तथा भविष्य में भी उत्साहपूर्ण भागीदारी, समन्वय एवं सामूहिक कार्यों की आवश्यकता बताई। उन्होंने आने वाले वर्षों में महत्वपूर्ण उपलब्धियों के साथ 2023 के उत्पादक प्रदर्शन को दोहराने पर बल दिया। समारोह में भाश्रीअनुसं स्टाफ व उनके बच्चों ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया। डॉ. बी अमसिद्ध, वैज्ञानिक और श्री जे भगवंतम, तकनीकी सहायक (प्रक्षेत्र अनुभाग) व उनके दल ने इस कार्यक्रम का समन्वय किया।

सीआरपी - कृषि जैव-विविधता की मध्यावधि समीक्षा कार्यशाला

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद में 31 जनवरी, 2024 को सीआरपी - कृषि-जैवविविधता परियोजना के अंतर्गत अनाज, श्री अन्न एवं चारे की मध्यावधि समीक्षा कार्यशाला हुई।

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद की निदेशक डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती ने बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें डॉ. जी पी सिंह, निदेशक, भाकृअनुप-रापाआसंब्यू, नई दिल्ली भी परियोजना प्रमुख के रूप में शामिल हुए। डॉ. आर मधुसूदन, परियोजना समन्वयक, ज्वार व लघु श्री अन्न पर आभासअनुप ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। फसल-विशिष्ट नोडल वैज्ञानिकों तथा चावल, श्री अन्न, मक्का व चारे पर सहयोगी केंद्र के प्रधान अन्वेषक द्वारा सीआरपी - कृषि जैव-विविधता परियोजना के अंतर्गत 2021-23 के दौरान संपन्न प्रगति को प्रस्तुत किया गया। पैनलिस्टों ने श्री अन्न और मक्का में हुई प्रगति की सराहना की और अन्य दो फसलों में सुधार हेतु सुझाव दिए गए। दलगत सदस्यों की टिप्पणियों और सिफारिशों के साथ बैठक संपन्न हुई । देशभर के भाकृअनुप संस्थानों और राकृविवि से कुल 35 प्रतिभागियों ने भाग लिया। डॉ. कर्णम वेंकटेश, डॉ. गणपति के एन, डॉ. अमसिद्ध बी, और श्री साई कार्तिक के द्वारा बैठक का आयोजन व संचालन किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला - " श्री अन्न और जैविक-2024"

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान ने 5-7 जनवरी, 2024 के दौरान त्रिपुरा वासिनी, पैलेस ग्राउंड्स, बेंगलुरु में कृषि विभाग, कर्नाटक सरकार द्वारा आयोजित श्री अन्न और जैविक-2024 नामक पांचवें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में एक ज्ञान साझेदार के रूप में भाग लिया। यह किसानों, किसान समूहों, घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों, जैविक और श्री अन्न क्षेत्र में केंद्रीय और राज्य संस्थानों के लिए कृषि-बागवानी, प्रसंस्करण, मशीनों और कृषि-प्रौद्योगिकी में अवसरों को जोड़ने तथा तलाशने हेतु एक मंच था। व्यापार मेले का औपचारिक उद्घाटन, कर्नाटक के माननीय मुख्यमंत्री श्री सिद्धारमैया सहित केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन और केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कु. शोभा करंदलाजे , उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार एवं कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाश्रीअनुसं ने वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए श्री अन्न मूल्य शृंखला की मॉडलिंग सत्र के दौरान " श्री अन्न में उत्पादन व उत्पादकता बढ़ाने हेतु कार्यनीतियां" विषय पर बीज व्याख्यान दिया।

सीएसीपी दल, नई दिल्ली का दौरा

श्री विजय पॉल शर्मा, अध्यक्ष, कृषि लागत एवं मूल्य आयोग (सीएसीपी), नई दिल्ली तथा उनके दल के सदस्य - **डॉ. नवीन पी सिंह, श्री रतन लाल डागा और श्री अनुपम मित्रा** ने 20 जनवरी, 2024 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं का दौरा किया। डॉ. बी दयाकर राव, प्रधान वैज्ञानिक और मुकाअधि, न्यूट्रीहब और डॉ. बी वेंकटेश भट्ट, प्रधान वैज्ञानिक, भाश्रीअनुसं ने दल का स्वागत किया। डॉ. दयाकर राव ने दल को भाश्रीअनुसं में संचालित शोध गतिविधियों के बारे में बताया। दल को उत्पादन प्रौद्योगिकियों को लोकप्रिय बनाने व मूल्यवर्धित उत्पादों के व्यावसायीकरण एवं श्री अन्न की घरेलू और वैश्विक मांग बढ़ाने हेतु प्रयासों की भी जानकारी प्रदान की गई। तत्पश्चात, दल ने उत्कृष्टता केंद्र, प्रौद्योगिकी व्यवसाय उष्मायन (टीबीआई) तथा अन्य श्री अन्न प्रसंस्करण सुविधाओं का दौरा किया। दल भाश्रीअनुसं द्वारा विकसित श्री अन्न उत्पादन प्रौद्योगिकियों और श्री अन्न प्रसंस्करण सुविधाओं, न्यूट्रीहब गतिविधियों और मूल्य शृंखला से अत्यंत प्रभावित हुआ।

प्रतिष्ठित आगंतुक

डॉ. राजीव वार्ष्णेय, निदेशक, सेंटर फॉर क्रॉप्स एंड फूड इनोवेशन, मर्डोक यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया ने 4 जनवरी, 2024 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं का दौरा किया। डॉ. (श्रीमती) सी तारा

सत्यवती, निदेशक और भाश्रीअनुसं के अन्य वैज्ञानिकों ने प्रतिष्ठित पद प्राप्त करने तथा जीनोमिक्स, आनुवंशिकी, आणविक प्रजनन अनुसंधान में योगदान हेतु उन्हें सम्मानित किया। डॉ. वार्ष्णेय ने परस्पर हित के मुद्दों पर भाश्रीअनुसं दल के साथ विस्तृत चर्चा की। उन्होंने उत्कृष्टता केंद्र, प्रौद्योगिकी व्यवसाय उष्मायक तथा अन्य श्री अन्न प्रसंस्करण सुविधाओं का भी दौरा किया।

डॉ. पी बी कीर्ति, एग्री बायोटेक फाउंडेशन, हैदराबाद तथा भूतपूर्व प्रोफेसर, पादप विज्ञान, हैदराबाद विश्वविद्यालय ने 16 जनवरी, 2024 को भाश्रीअनुसं का दौरा किया। डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती ने उन्हें भाश्रीअनुसं की वर्तमान अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के बारे में बताया। उन्होंने भाश्रीअनुसं वैज्ञानिकों से विचार-विमर्श किया।

श्री नीरज प्रजापति, श्री अन्न प्रचारक : कश्मीर से कन्याकुमारी (4200 किमी) तक साइकिल पर यात्रा कर रहे श्री नीरज प्रजापति ने 17 जनवरी, 2024 को भाश्रीअनुसं का दौरा किया। डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाश्रीअनुसं ने पूरे देश में श्री अन्न को लोकप्रिय बनाने के उनके अद्वितीय प्रयासों के लिए उन्हें सम्मानित किया।

पदोन्नति

डॉ. के एन गणपति, वरिष्ठ वैज्ञानिक (आनुवंशिकी तथा पादप प्रजनन), भाश्रीअनुसं, हैदराबाद को कृवैचमं की सिफारिश पर, प्रधान वैज्ञानिक (आनुवंशिकी तथा पादप प्रजनन) के पद पर पदोन्नत किया गया है। *श्री अन्न परिवार उनको इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई देता है तथा उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है* !

नए वैज्ञानिक के द्वारा भाश्रीअनुसं में कार्यभार ग्रहण

डॉ. गोपी किशन, वैज्ञानिक (पादप रोगविज्ञान) ने परिषद के स्थानांतरण आदेश के अनुपालन में, 01 जनवरी, 2024 को गुड़ामालानी, बाड़मेर, राजस्थान में स्थित भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान के क्षेत्रीय बाजरा अनुसंधान केंद्र में कार्यभार ग्रहण किया। इससे पूर्व वह भाकृअनुप-भारतीय बीज विज्ञान संस्थान, मऊ में कार्यरत थे। *श्री अन्न परिवार में उनका हार्दिक स्वागत करता है* !

दुखद निधन

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान (भाश्रीअनुसं), हैदराबाद में कुशल सहायक कर्मचारी के रूप में कार्यरत **श्री जी सामय्या** का निधन 23 जनवरी, 2024 को हो गया। श्री सामय्या ने भाश्रीअनुसं-हैदराबाद के विभिन्न क्षेत्रों में 35 वर्ष से ज्यादा अवधि तक अपनी सेवाएं दी। भाश्रीअनुसं के स्टाफ ने संस्थान उनकी सेवाओं का स्मरण करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की।

एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

भाश्रीअनुसं-न्यूट्रिहब में 25 जनवरी, 2024 को विकाराबाद, तेलंगाना के स्वयं सहायता समूह की 38 महिलाओं के

लिए श्री अन्न मूल्य शृंखला पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. बी दयाकर राव एवं डॉ. वी रवि कुमार ने किया।

भाश्रीअनुसं-न्यूट्रिहब में 27 जनवरी, 2024 को तेलंगाना के सैन्य जवानों की जीवसंगिनियों के लिए श्री अन्न मूल्य संवर्धन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 26 महिलाओं ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. बी दयाकर राव एवं डॉ. वी रवि कुमार ने किया।

आगंतुक

केंद्रीय विद्यालय, हैदराबाद के छात्र

केंद्रीय विद्यालय नंबर 1, उप्पल, हैदराबाद के 250 छात्रों के एक समूह ने 17 तथा 18 जनवरी, 2024 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद का दौरा किया। भारत के साइकिल मैन के रूप में प्रसिद्ध श्री नीरज कुमार प्रजापति ने छात्रों के साथ कृषि तथा श्री अन्न को बढ़ावा देने के बारे में अपनी अंतर्दृष्टि साझा की। डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाश्रीअनुसं ने स्वास्थ्य लाभों और दैनिक जीवन में श्री अन्न की भूमिका पर व्याख्यान देकर छात्रों का ज्ञानवर्धन किया। छात्रों को खेतों एवं श्री अन्न प्राथमिक मशीनों के बारे में व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने का अवसर प्राप्त हुआ। डॉ. संगप्पा, वैज्ञानिक और डॉ. रफी, भाश्रीअनुसं ने इस दौरे का समन्वय किया।

केरल के छात्र

वेल्लानिककारा, केरल से कुल 100 विज्ञान स्नातक (कृषि) छात्रों ने अपनी शैक्षिक यात्रा के एक भाग के रूप में 17 जनवरी, 2024 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं का दौरा किया। छात्रों ने जीनसंग्रह में श्री अन्न आनुवंशिक विविधता के संरक्षण और विशेषताओं का अवलोकन किया। उन्हें श्री अन्न प्रदर्शन प्रक्षेत्रों, न्यूट्रिहब और अन्य सुविधाओं का भी दौरा कराया गया। डॉ. कर्णम वेंकटेश, वरिष्ठ वैज्ञानिक, श्री राजप्पा, वरि.तक.अधिकारी ने छात्रों के साथ चर्चा की तथा दौरे का समन्वय किया।

एसआरएम कृषि महाविद्यालय, चेन्नई के छात्र

एसआरएम विश्वविद्यालय, कृषि महाविद्यालय, चेन्नई के 80 कृषि छात्रों ने औद्योगिक ज्ञानवर्धन यात्रा के हिस्से के रूप में 8 जनवरी, 2024 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद का दौरा किया। छात्रों ने श्री अन्न प्रदर्शन प्रक्षेत्रों, श्री अन्न जीन संग्रह का दौरा किया तथा वहां संरक्षित एवं लक्षण वर्णित श्री अन्न आनुवंशिक विविधता का अवलोकन किया। उन्हें श्री अन्न की स्थानीय भू-प्रजातियों के विभिन्न प्रकारों और विविधता, श्री अन्न सुधार में किसानों/स्थानीय किस्मों के संरक्षण और उपयोग के महत्व के बारे में

जानकारी दी गई। उन्हें श्री अन्न के पोषण और स्वास्थ्य लाभों के बारे में भी बताया गया और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों से निपटने के लिए श्री अन्न को अपने दैनिक आहार में शामिल करने का आग्रह किया गया। डॉ. के वेंकटेश, श्री पी वी राजप्पा ने दौरे का समन्वय किया।

उत्तर प्रदेश के एटा जिले के किसान

उत्तर प्रदेश के एटा जिले के विभिन्न गांवों से पच्चीस किसानों ने 08 जनवरी, 2024 को उत्तर प्रदेश राज्य कृषि विभाग द्वारा प्रायोजित भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं का दौरा किया। किसानों ने श्री अन्न जीनसंग्रह का दौरा किया और श्री अन्न आनुवंशिक विविधता के संरक्षण का अवलोकन किया। डॉ. कर्णम वेंकटेश ने किसानों से चर्चा की।

तमिलनाडु के किसान

तमिलनाडु के कुल 21 किसानों ने टिकाऊ कृषि पद्धतियों और नवीनतम श्री अन्न प्रौद्योगिकियों के साथ सशक्त बनने हेतु ज्ञानवर्धन दौरे के भाग के रूप में, 4 जनवरी 2024 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद का दौरा किया। यह यात्रा एटीएमए द्वारा आयोजित की गई थी और श्री अन्न फसल विविधता के महत्व पर बल दिया गया तथा किसानों को अपनी वर्तमान खेती प्रथाओं में श्री अन्न को एकीकृत करने पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

भुसावल , महाराष्ट्र के किसान

श्री प्रमोद जाधव के नेतृत्व में एटीएमए के माध्यम से श्री हरि एसएचजी समूह, वोराडिज्म, भुसावल, महाराष्ट्र के नौ किसानों ने अंतर-राज्य ज्ञानवर्धन यात्रा के अंतर्गत 16 जनवरी, 2024 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं का दौरा किया। उन्हें श्री अन्न की खेती, मूल्य संवर्धन और प्रसंस्करण के बारे में जानकारी दी गई। डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राभा) ने दौरे का समन्वय किया।

महाराष्ट्र के किसान

अर्बन रूरल एग्रोफ्लाई फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, महाराष्ट्र से निदेशक एवं किसानों ने ज्ञानवर्धन यात्रा के भाग के रूप में 22 जनवरी 2024 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद का दौरा किया। किसानों ने श्री अन्न के खेतों का दौरा किया तथा उन्हें श्री अन्न की खेती के तरीकों, नवीनतम कृषि-तकनीकों, फसल प्रबंधन नीतियों, श्री अन्न में टिकाऊ कृषि पद्धतियों और प्राथमिक प्रसंस्करण तकनीकों के बारे में जानकारी दी गई।

ग़ाज़ीपुर, उत्तर प्रदेश के किसान

श्री अशोक कुमार सिंह के नेतृत्व में कृषि विभाग, गाजीपुर, उत्तर प्रदेश के दस किसानों ने श्री अन्न पर अंतर-राज्य ज्ञानवर्धन यात्रा के अंतर्गत 29 जनवरी, 2024 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं का दौरा किया। उन्हें श्री अन्न की खेती, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और न्यूट्रीहब के बारे में जानकारी दी गई। डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राभा) ने दौरे का समन्वय किया।

तेलंगाना के विकाराबाद जिले के किसान

तेलंगाना के विकाराबाद जिले से पच्चीस किसानों ने 25 जनवरी, 2024 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद का दौरा किया। अपनी यात्रा के हिस्से के रूप में, किसानों ने श्री अन्न के खेतों, न्यूट्रीहब, श्री अन्न प्रसंस्करण इकाइयों और भाश्रीअनुसं के उत्कृष्टता केंद्र का दौरा किया। डॉ. वी रविकुमार, वरि.तक.अधिकारी ने किसानों से बातचीत की और श्री अन्न के मूल्यवर्धित उत्पादों, उनके पोषण संबंधी लाभों और श्री अन्न की बढ़ती मांग के बारे में जानकारी प्रदान की।

मैनेज, हैदराबाद से प्रशिक्षु

सुश्री बम्मीदी उज्जवला, सलाहकार, मैनेज, हैदराबाद के नेतृत्व में मैनेज, हैदराबाद के तेईस प्रशिक्षार्थियों ने 12 जनवरी, 2024 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं का दौरा किया। । उन्हें भाश्रीअनुसं, श्री अन्न की खेती, न्यूट्रीहब और उत्कृष्टता केंद्र गतिविधियों एवं श्री अन्न के प्राथमिक और माध्यमिक प्रसंस्करण के बारे में जानकारी दी गई। इस यात्रा का संचालन और समन्वय न्यूट्रीहब दल की सहायता से डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राभा) ने किया।

मैनेज और भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद द्वारा संयुक्त रूप से "श्री अन्न सलाहकार" पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के सोलह प्रशिक्षार्थियों ने 24 जनवरी, 2024 को स्थानीय और किसानों की किस्मों के संग्रह, संरक्षण और उपयोग के बारे में जानने के लिए भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में श्री अन्न जीन संग्रह का दौरा किया। डॉ. के वेंकटेश और श्री ए साई कार्तिक द्वारा दौरे का समन्वयन किया गया तथा भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं जीन संग्रह में संचालित गतिविधियों के बारे में बताया।

हरियाणा के कृषि अधिकारी

हरियाणा राज्य कृषि विभाग, अंबाला के कुल छह कृषि अधिकारियों ने 18 जनवरी 2024 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं का दौरा किया। कृषि अधिकारियों ने भाश्रीअनुसं में श्री अन्न जीन संग्रह तथा अन्य अनुसंधान सुविधाओं का दौरा किया। डॉ कर्णम वेंकटेश ने अधिकारियों के साथ चर्चा की और श्री अन्न जननद्रव्य में विविधता, संरक्षण और विशेषता के बारे में बताया। सुश्री उषा सतीजा, तक. सहायक ने प्रक्षेत्र व प्रयोगशाला का दौरा कराया तथा भाश्रीअनुसं में संचालित अनुसंधान गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

व्याख्यान

डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं को कर्नाटक सरकार के द्वारा बैगलुरु में 06 जनवरी, 2024 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला "जैविक और श्री अन्न -2024" में सम्मानित पैनलिस्ट/वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने मैनेज, हैदराबाद में नाबार्ड द्वारा 08 जनवरी, 2024 को प्रायोजित जय जवान किसान कार्यक्रम के प्रतिभागियों के उद्यम और कंपनी लोगो के लोकार्पण अवसर पर सम्मानित अतिथि के रूप में भाग लिया तथा। अतिथि संबोधन दिया।

डॉ. संगप्पा, वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ, नई दिल्ली द्वारा 9 जनवरी, 2024 को "कॉप मिलेट्स रेनेसां" पर आयोजित दो दिवसीय सहयोगी ऑनलाइन वेबिनार शृंखला के दौरान "श्री अन्न किउसं : किसानों तथा उपभोक्ताओं के बीच संपर्क सेतु" पर व्याख्यान दिया।

डॉ. स्वर्णा रोणंकि, वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ, नई दिल्ली द्वारा 10 जनवरी, 2024 को "कॉप मिलेट्स रेनेसां" के दौरान श्री अन्न संवर्धन पर प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में "उन्नत खेती के तरीके और बेहतर श्री अन्न प्रौद्योगिकी" पर ऑनलाइन अतिथि व्याख्यान दिया।

डॉ. अमसिद्ध बी, वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने मैनेज, हैदराबाद में 16-18 जनवरी, 2024 के दौरान आयोजित 'बाज़ार-संचालित श्री अन्न उत्पादन, प्रसंस्करण और मूल्य वर्धन प्रौद्योगिकियों' पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों को 18 जनवरी, 2024 को "उच्च उपज के लिए बेहतर श्री अन्न उत्पादन पद्धतियां" विषय पर व्याख्यान दिया।

डॉ. संगप्पा, वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने मैनेज, हैदराबाद में 16-18 जनवरी, 2024 के दौरान आयोजित 'बाज़ार-संचालित श्री अन्न उत्पादन, प्रसंस्करण और मूल्य वर्धन प्रौद्योगिकियों' पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों को 18 जनवरी, 2024 को उद्यमिता विकास के लिए विपणन, प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए "श्री अन्न कटाई उपरांत प्रबंधन" पर व्याख्यान दिया।

डॉ. के वेंकटेश, वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने 23 जनवरी, 2024 को मैनेज और भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद द्वारा आयोजित 15 दिवसीय प्रमाणित किसान सलाहकार प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों को "श्री अन्न आनुवंशिक संसाधन प्रबंधन" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

डॉ. स्वर्णा रोणंकि, वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने 24 जनवरी, 2024 को किप्रप परियोजना के परीक्षण किसानों के लिए "श्री अन्न और संबद्ध खेती" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत तेलंगाना के संगारेड्डी जिले के किसानों को तेलुगु भाषा में "श्री अन्न की बेहतर उत्पादन पद्धतियों" पर व्याख्यान दिया।

डॉ. अमसिद्ध बी, वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने 25 जनवरी, 2024 को मैनेज, हैदराबाद में 15 दिवसीय सीएफए प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रमाणित फार्म सलाहकार प्रशिक्षार्थियों के प्रतिभागियों को "सावां में बेहतर खेती के तरीके और पोषण सुरक्षा हेतु इसका उपयोग" पर व्याख्यान दिया।

डॉ. स्वर्णा रोणंकि, वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने 29 जनवरी, 2024 को मैनेज द्वारा आयोजित प्रमाणित श्री अन्न कृषि सलाहकार कार्यक्रम के प्रशिक्षार्थियों को "श्री अन्न की खेती में कृषि मशीनीकरण" पर व्याख्यान दिया।

डॉ. संगप्पा, वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने 31 जनवरी 2024 को मैनेज के सहयोग से भाकृअनुप-क्रिडा द्वारा आयोजित "जलवायु लचीले कृषि प्रबंधन के लिए संस्थागत नवाचारों" पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में "जलवायु जोखिम के लिए किउसं की भूमिका" पर व्याख्यान दिया।

किउसं समाचार

जैविक और श्री अन्न मेला-2024 में भागीदारी : भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद द्वारा समर्थित जेवर्गी तालुका श्री अन्न किसान उत्पादक कंपनी लिमिटेड ने 5-7 जनवरी, 2024 के दौरान बेंगलुरु में जैविक और श्री अन्न मेला-2024 में सक्रिय रूप से भाग लिया और विभिन्न श्री अन्न मूल्य-वर्धित उत्पादों का प्रदर्शन किया। .

रामकृष्ण मिशन द्वारा रागी काना कार्यक्रम : भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद द्वारा समर्थित जेवर्गी तालुका मिलेट्स फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड (एफपीसीएल) ने 7 जनवरी, 2024 को रामकृष्ण मिशन, बैंगलोर द्वारा आयोजित रागी काना कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया।

नाबार्ड शिल्प मेला : भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद और नाबार्ड आं.प्र. द्वारा प्रवर्तित अल्लूरी सीताराम राजू जिले के चिंतापल्ली ब्लॉक में स्थित, लंबसिंगी जनजाति उत्पाद एफपीसी लिमिटेड ने 3-12 जनवरी, 2024 के दौरान विजयवाड़ा में आयोजित नाबार्ड शिल्प मेले में सक्रिय रूप से भाग लिया। जहां उन्होंने अपने विविध श्री अन्न उत्पादों का प्रदर्शन किया।

ग्राम स्तर पर सूक्ष्म उद्यम विकास : राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान (एनआईएएम), जयपुर ने भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद द्वारा प्रवर्तित संस्कृत आरयूडीईएस और ग्राम विश्वास किउसं के सहयोग से ग्राम विश्वास किउसं कार्यालय में 13-15 जनवरी 2024 के दौरान "सूक्ष्म उद्यम विकास" पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

स्वावलंबन मेला 2024, कलबुर्गी : भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद द्वारा प्रवर्तित जेवर्गी तालुका श्री अन्न एफपीसीएल ने 16-18 जनवरी, 2024 तक कलबुर्गी में एडब्ल्यूएकेई, एसआईडीबीआई तथा डिस्ट्रिक्ट इंडस्ट्रीज ऑफ कॉमर्स (डीआईसी) द्वारा आयोजित स्वावलंबन मेला 2024 कार्यक्रम में भाग लिया।

डीडीएम, नाबार्ड के द्वारा प्रेमसाई नवकिसान किउसं एमएसीएस लिमिटेड का दौरा : श्री सामंत कुमार, डीडीएम, नाबार्ड, विशाखापट्टणम ने 19 जनवरी, 2024 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद द्वारा प्रवर्तित सर्वश्री प्रेमसाई नवकिसान किउसं एमएसीएस लिमिटेड, नथावरम ब्लॉक, अनकापल्ली ज़िला, आंध्र प्रदेश का दौरा किया।

प्रमाणित श्री अन्न सलाहकार कार्यक्रम मॉड्यूल : मैनेज और भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने संयुक्त रूप से 22 जनवरी से 05 फरवरी, 2024 के दौरान प्रमाणित श्री अन्न सलाहकार कार्यक्रम (सीएफए) मॉड्यूल - II का उद्घाटन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रमाणित श्री अन्न सलाहकार तैयार करना है जो राज्य और केंद्र सरकार से किसानों को श्री अन्न विशेषज्ञ विस्तार सेवाएं प्रदान कर सकें।

कृषि मेला 2024 में निदगुंडी किउसं : भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद द्वारा प्रवर्तित निदगुंडी श्री हादी बसनप्पा तिलहन व श्री अन्न उत्पादक कंपनी लिमिटेड ने 22 जनवरी, 2024 को कृषि महाविद्यालय, विजयपुरा, कर्नाटक द्वारा आयोजित कृषि मेला 2024 में श्री अन्न मूल्यवर्धित उत्पादों की विविध शृंखला का प्रदर्शन किया।

आलंद भूतई श्री अन्न एफपीसीएल खरीद केंद्र का उद्घाटन : आलंद भूतई श्री अन्न किसान उत्पादक कंपनी ने 23 जनवरी 2024 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद और एसएफएसी, नई दिल्ली के तकनीकी सहयोग से किउसं स्तर पर श्री अन्न खरीद केंद्र की स्थापना की।

तेलंगाना किउसं का ज्ञानवर्धन दौरा : नाबार्ड और एनसीडीसी की सहायता से भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद द्वारा प्रवर्तित टेकमल, येल्दुरथी, पालमुरू, दुंदुबी, बालानगर तथा देवकाद्र किसान उत्पादक कंपनी लिमिटेड ने 25 जनवरी 2024 को जागरूकता कार्यक्रम के एक भाग के रूप में नलगोंडा ज़िले में कटंगुर एफपीसीएल का दौरा किया। कटंगुर किउसं के मुकाअधि श्री नरसिम्हा रेड्डी ने किउसं के लिए उपलब्ध सभी व्यवहार्य प्रौद्योगिकियों के बारे में बताया। डॉ. संगप्पा, डॉ. श्रीनिवास बाबू, डॉ. रफ़ी तथा श्री रामकिरण ने इस दौरे का समन्वय किया।

आभासी बैठकों / प्रशिक्षणों / कार्यशालाओं / संगोष्ठियों में सहभागिता

क्र.सं.	सहभागी	कार्यक्रम विवरण	प्रकार	आयोजक	तिथि
1	तारा सत्यवती	भाकृअनुप संस्थानों (वीपीकेएएस अल्मोडा सीएजेडआरआई, जोधपुर, आईआईएसडब्ल्यूसी, देहरादून) के एटीआर की ऑनलाइन समीक्षा बैठक	बै	भाकृअनुप, नई दिल्ली	02 जनवरी, 2024
2	तारा सत्यवती	भाकृअनुप संस्थानों (एनआईबीएसएम, रायपुर, एनआईएएसएम, बारामती, एनबीपीजीआर, नई दिल्ली, सीएसएसआरआई, करनाल, एनआरसी याक, दिरांग) के एटीआर की ऑनलाइन समीक्षा बैठक	बै	भाकृअनुप, नई दिल्ली	03 जनवरी 2024
3	तारा सत्यवती	भाकृअनुप संस्थानों (खरपतवार अनुसंधान निदेशालय, जबलपुर, पोल्ट्री अनुसंधान निदेशालय, हैदराबाद, पैर और मुंह रोग विभाग, भुवनेश्वर, सीआईआरबी, हिसार) के एटीआर की ऑनलाइन समीक्षा बैठक	बै	भाकृअनुप, नई दिल्ली	04 जनवरी, 2024
4	तारा सत्यवती	भाकृअनुप संस्थानों (एनआरसी कैमल, बीकानेर, एनआरसी मीट, हैदराबाद, एनआरसी मिथुन, मेडजिफेमा, एनआरसी पिग, गुवाहाटी, सीएसडब्ल्यूआरआई, अविकानगर) के एटीआर की ऑनलाइन समीक्षा बैठक	बै	भाकृअनुप, नई दिल्ली	05 जनवरी, 2024
5	तारा सत्यवती	सचिव (डेयर) तथा महानिदेशक (भाकृअनुप) द्वारा भाकृअनुप वैज्ञानिकों के साथ ऑनलाइन चर्चा बैठक	बै	भाकृअनुप, नई दिल्ली	05 जनवरी, 2024
6	स्वर्णा रोणंकि	"अफ्रीका में, जलवायु-लचीली फसल के रूप में श्री अन्न की खेती, उपयोग और प्रसंस्करण का विस्तार करने और कृषि जैव विविधता, संतुलित पोषण, श्री अन्न मूल्य शृंखला, मूल्य संवर्धन तथा उद्यमिता को मजबूत करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय (भारत-अफ्रीका) अनुभव साझा एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम" पर वेबिनार	का	भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद	8 - 11 जनवरी, 2024
7	तारा सत्यवती	जलवायु अनुकूल कृषि खाद्य प्रणालियों को आगे बढ़ाने के लिए निवेश मंच सत्र के दौरान पैनलिस्ट के रूप में सहभागिता	बै	संयुक्त राष्ट्र का खाद्य एवं कृषि संगठन, नई दिल्ली	18-19 जनवरी, 2024
8	तारा सत्यवती	चावल, मक्का, श्री अन्न से संबंधित संगठनों/संघों के साथ विपणन सत्र 2024-25 के लिए खरीफ फसलों के लिए मूल्य नीति पर बैठक	बै	कृषि लागत एवं मूल्य आयोग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली	18 जनवरी, 2024
9	तारा सत्यवती	आंत स्वास्थ्य और जीवन शैली विकारों पर अंतर्राष्ट्रीय परिसंवाद	परि	आंत स्वास्थ्य, नई दिल्ली	20 जनवरी, 2024
10	तारा सत्यवती	जीवन विज्ञान-पादप/कृषि/पशु चिकित्सा विषय क्षेत्र के अंतर्गत इंस्पायर संकाय की प्रदर्शन समीक्षा बैठक	बै	सेलुलर और आणविक जीवविज्ञान केंद्र, हैदराबाद में डीएसटी	29 जनवरी, 2024

IIMR
भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान
ICAR-Indian Institute of Millets Research

nutri hub
Innovation | Technology | Business

INTERNATIONAL YEAR OF MILLETS 2023

श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र

भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

संकलन एवं संपादन
डॉ. महेश कुमार, डॉ. के वी राघवेन्द्र राव,
डॉ. जिनु जेकब तथा डॉ. वी वेंकटेश भट
फोटो, अभिकल्पना तथा रूपरेखा
एच एस गावली
प्रकाशक एवं मुख्य संपादक
निदेशक,
भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

बाजरा, ज्वार तथा लघु श्री अन्न पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना
राजेन्द्रनगर, हैदराबाद-500053 दूरभाष : 040-24599300 ई-मेल : millets.icar@nic.in वेबसाइट : www.millets.res.in

रबी ज्वार अनुसंधान केंद्र (भाश्रीअनुसं)
राष्ट्रीय राजमार्ग-9, बायपास, शेल्गी,
सोलापुर-413006 (महाराष्ट्र)
दूरभाष : 0217-2373456 फैक्स : 0217-2373456
ई-मेल : solapur@millets.res.in वेबसाइट : www.millets.res.in

ज्वार गैर-मौसमी पौधशाला (भाश्रीअनुसं)
प्रभारी अधिकारी,
भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, आरएआरएस
(पीजेटीएसएयू) मुलुगू रोड़. वरंगल

क्षेत्रीय बाजरा अनुसंधान केंद्र (भाश्रीअनुसं)
गुड़ामालानी, बाड़मेर, राजस्थान
ई-मेल : barmer@millets.res.in